सत्संगति

(कहानी)

13

चंदनगढ़ *रियासत* के महाराज प्रतापी राजा थे, उनके राज्य में चारों ओर *सुख-समृद्धि* थी, फिर भी अपने पुत्र की ओर से वे बड़े *दुःखी* थे। राजकुमार की शैतानियों ने सबकी नाक में दम कर रखा था। सामने तो कोई कुछ नहीं कहता परंतु पीठ पीछे सब राजकुमार की बुराई करते। राजा ने राजकुमार को समझाने का बहुत *प्रयत्न* किया परंतु सफल नहीं हुए। अंत में उन्होंने कुलगुरू से मिलने का निर्णय किया, वे उसी समय घोड़े पर सवार होकर उनके आश्रम को चल दिए। रास्ते में घना जंगल था। रात होने पर राजा ने एक पेड़ के नीचे रुकने का विचार किया। तभी एक तोता बोल उठा– "वाह वाह! क्या *शिकार* है? आज तो मनुष्य के मांस का स्वाद मिलेगा।"

राजा समझ गए कि यहाँ रुकना खतरे से खाली नहीं है, वे तभी वहाँ से चल पड़े। सुबह होते ही वे आश्रम पहुँच गए। तभी एक आवाज आई– "आश्रम में *अतिथि* का *स्वागत* है। श्रीमान! कहाँ से आ रहे हैं?" राजा ने देखा *आश्रम* के द्वार पर बैठा एक तोता उनसे बात कर रहा था। राजा *हैरान* रह गए। उन्होंने कहा– "हे तोते! कल रात वन में भी मुझे एक तोते का *स्वर* सुनने को मिला, उसकी बातें मन में भय जगा देती थीं और तुम्हारी वाणी, अहा! क्या मिठास है शब्दों में।"

तोते ने उदास स्वर में कहा– "क्षमा करें महाराज! मेरा वह भाई डाकुओं के राजा के साथ रहता है इसीलिए वह ऐसी बातें करता है परंतु मैं ऋषि के आश्रम में रहता हूँ इसलिए इस दोष से मुक्त हूँ। राजन् संगति में बड़ी शक्ति है, जैसी *संगति* हो, प्राणी वैसा ही बन जाता है।"

राजा को समझते देर नहीं लगी, उन्होंने घर लौटकर राजकुमार की संगति को सुधारना आरंभ किया। कुछ ही समय में राजकुमार सबका प्रिय बन गया।

शिक्षा : अच्छी संगति मनुष्य को अच्छा आचरण सिखाती है।

शब्द-भंडार

रिसायत – राज्य विशेष *(estate)*,
सुख-समृद्धि – सुख के लिए *(comfort)*,
दु:खी – उदास *(sad)*,
शैतानियाँ – नटखट *(mischievous)*,
प्रयत्न – प्रयास *(effort)*,
शिकार –जिसका हरण किया जाए *(prey)*।
अतिथि – मेहमान *(guest)*,
स्वागत – किसी को प्रवेश करने के लिए बुलाना *(welcome)*,
हैरान – आश्चर्यचकित *(wonder)*,
स्वर – बोली *(voice)*,
संगति – दल *(company)*,

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

रियासत	समृद्धि	प्रयत्न	कुलगुरू	आश्रम	स्वागत
द्वार	वाणी	शब्द	ऋषि	शक्ति	मनुष्य

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) राजकुमार कैसा था?

(ख) राजा ने कुलगुरू से मिलने का निर्णय क्यों किया?

(ग) जंगल में पहले तोते ने राजा से क्या कहा?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) राजकुमार की ..... से सब परेशान थे।

☐ हरकतों ☐ शैतानियों ☐ काम

(ख) राजा ..... पर सवार होकर कुलगुरू से मिलने गए।

☐ रथ ☐ हाथी ☐ घोड़े

(ग) जंगल में राजा को कौन मिला?

☐ तोता ☐ घोड़ा ☐ शिकारी

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

हैरान, संगति, दुःखी, आश्रम

(क) महाराज प्रतापी राजा अपने पुत्र से बड़े ..... थे।

(ख) राजा घोड़े पर सवार होकर ..... को चल दिए।

(ग) राजा तोते की आवाज सुनकर ..... रह गए।

(घ) जैसी ..... हो, प्राणी वैसा ही बन जाता है।

3. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) राजकुमार की शैतानियों ने सबकी नाक में दम कर रखा था। ☐

(ख) आश्रम जाते समय राजा के रास्ते में एक बड़ा महल पड़ा। ☐

(ग) राजा से आश्रम में एक तोता बात कर रहा था। ☐

(घ) पहले तोते के स्वर ने राजकुमार के मन में प्रसन्नता जगा दी थी। ☐

(ङ) अच्छी संगति ही मनुष्य को अच्छा आचरण सिखाती है। ☐

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) महाराज प्रतापी राजा कहाँ के राजा थे?

(ख) राजा क्यों दुःखी थे?

(ग) राजा किस कार्य में सफल नहीं हुए?

(घ) राजा ने आश्रम के द्वार पर किसे बैठे हुए देखा?

(ङ) अंत में राजकुमार सबका प्रिय कैसे बना?

भाषा-ज्ञान

1. पढ़िए, समझिए और एक-एक शब्द लिखिए–

न् + ह = न्ह – ..... नन्हा .....

च् + च = च्च – ..... बच्चा .....

स् + त = स्त – ..... रास्ता .....

2. यह भी जानिए–

(क) जहाँ पढ़ने जाते हैं – विद्यालय / पाठशाला

(ख) जो पढ़ाता / पढ़ाती है – अध्यापक / अध्यापिका

(ग) जो रोगी का इलाज करता है – डॉक्टर

(घ) जो सेना में काम करता है – सैनिक

3. समान तुक वाले शब्द लिखिए–

जाओ – ..... खाओ ....

उड़ाओ – ....

राजा – ....

क्रियात्मक गतिविधि

- 'संगति' व 'अच्छे आचरण' आदि विषयों पर एक-एक निबंध लिखिए।